दु:खों की लिस्ट (संक्षिप्त में)

शिवभगवानुवाच :- मीठे बच्चे, यह संसार है ही दु:खधाम, कांटों का जंगल, रौरव नरक, विषय वैतरणी नदी, घोर कलियुग। यहां तो कदम-कदम पर दु:ख ही दु:ख हैं,लेकिन सर्व आत्माओं के कल्याणकारी, पतित-पावन, ज्ञान के सागर, दु:खहर्ता-सुखकर्ता परमपिता शिव परमात्मा ने हम बच्चों को ज्ञान का तीसरा नेत्र देकर स्पष्ट कर दिया है कि इस दु:खधाम को आग लगने वाली है, पुरानी दुनिया का विनाश होकर अब नई दुनिया सुखधाम आने वाला है इसलिए अब तुम बच्चे शान्तिधाम और सुखधाम को याद करो, **याद की रफ्तार बढ़ाओ** तो बेड़ा पार हो जाएगा, सभी प्रकार के दु:खों से छूट जाएंगे.....।

१. प्राकृतिक आपदाओं से दु:ख :- समय पर बारिश न होने का, फसल न होने का दु:ख, परिवार का गुजारा कैसे चलेगा उसका दु:ख, ज्यादा बारिश हो गई तो बाढ़ का दु:ख, खेतों का नुकसान होने पर दु:ख, मकान बह गया तो उसका दु:ख, फसल बह गई, सारी जमीन जायदाद नष्ट हो गई तो दु:ख, परिवार बह गया तो दु:ख, पशु मर गया तो दु:ख।

२. पांच विकारों से दु:ख :- काम विकार से दु:ख, क्रोध से दु:ख, लोभ आपूर्ति से दु:ख, मोह वश दु:ख, अहंकार से दु:ख, ईर्ष्या-द्वेष-नफरत-घृणा आदि से दु:ख, नीच जाति अथवा भेदभाव से दु:ख।

३. पांच तत्वों से दु:ख :- अग्नि में जलने से दु:ख, सर्दी-गर्मी से दु:ख, जल न मिलने पर दु:ख, तूफान आने पर नुकसान होने से दु:ख, भूकम्प आने पर दु:ख, आकाश में एक्सीडेंट होने पर दु:ख।

४. धन अभाव से दु:ख :- गरीबी का दु:ख, ज्यादा धन होने पर विभिन्न टैक्स भरने से दु:ख, इन्वेस्ट कहां करें उसका भी दु:ख, काला धन होने पर एसीबी का छापा पड़ गया तो दु:ख।

५. दुर्घटना होने पर दु:ख :- सड़क दुर्घटना में चोट लगने से दु:ख, शरीर का कोई अंग चले जाने पर दु:ख, कार का नुकसान हो गया तो दु:ख, सड़क में जाम लग गया तो दु:ख, पुलिस वाले ने गाड़ी का चालान काट दिया तो दु:ख, किसी की मौत हो जाने पर दु:ख...।

६. मनबांछित इच्छाएं पूर्ण न होने से दु:ख.....।
७. दूसरों में योग्यताएं होने का दु:ख.....।
८. हिंसक प्राणियों के वार से दु:ख.....।
९. असफलता मिलने पर दु:ख.....।
१०. कर्मेन्द्रियों की अधीनता से दु:ख....।
११. अनेक प्रकार की तनावजन्य व लाईलाज बीमारियों से दु:ख....।
१२. सम्बन्धों में खटास पैदा होने से दु:ख.....।
१३. कटु व्यवहार अथवा कटु वचनों से दु:ख ...।
१४. बढ़ती बेरोजगार से दु:ख.....।
१५. बुरा कर्म करने से दु:ख..।
१६. लड़ाई-झगड़ा करने पर दु:ख.....।
१७. आपस में परचिन्तन, परदर्शन करने से दु:ख...।
१८. दूसरों का दु:ख देखने पर दु:ख.....।
१९. दूसरों का सुख देखने पर दु:ख....।
२०. अपने में हीन भावना रखने पर दु:ख....।
२१. भक्ति, पाठ, पूजा करने के बाद भी भगवान के न मिलने पर दु:ख....।
२२. अपंग होने पर दु:ख.....।
२३. संतान न होने से दु:ख....।
२४. पुराने आसुरी स्वभाव संस्कार से दु:ख...।
२५. मान न मिलने पर दु:ख.....।

ओम शान्ति्